

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 17 नवंबर, 2023

राष्ट्रीय एपिलिप्सी (मरिगी) दविस

मस्तिष्क विकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस बीमारी से जुड़े मथिकों को तोड़ने के लिये भारत में प्रतिवर्ष 17 नवंबर को राष्ट्रीय एपिलिप्सी (मरिगी) दविस मनाया जाता है।

- एपिलिप्सी (मरिगी) एक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार है, इसमें मस्तिष्क की गतिविधि असामान्य हो जाती है, जिससे दौरे या असामान्य व्यवहार, संवेदनाएँ और कभी-कभी अभिज्ञता संबंधी हानि होती है।
 - मस्तिष्क तंत्रिका कोशिका नेटवर्क के साथ व्यवस्थित विद्युत आवेग उत्पन्न करता है, लेकिन मरिगी में यह संतुलन बाधित हो जाता है और इस प्रकार यह चेतना, गतिविधियों या संवेदनाओं को प्रभावित करता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 50 मिलियन लोग एपिलिप्सी से ग्रस्त हैं, और भारत में मरिगी से पीड़ितों का हिसा लगभग 10-20% है।
- असामान्य मस्तिष्क गतिविधि के आधार पर मरिगी के दौरों को मोटे तौर पर फोकल और सामान्यीकृत दौरों में वर्गीकृत किया जाता है।
 - फोकल दौरे के कारण संक्षिप्त भावनात्मक परिवर्तन, अचेष्टक गतिविधियाँ और चक्कर आना जैसे लक्षण हो सकते हैं।
 - सामान्यीकृत दौरे में घूमने, मांसपेशियों संबंधी झटके, नयितरण की हानि, मरोड़ और अचानक चेतना की हानि सहित विभिन्न लक्षण दिखाई देते हैं।
- प्रत्येक वर्ष फरवरी के दूसरे सोमवार को [अंतरराष्ट्रीय एपिलिप्सी \(मरिगी\) दविस](#) (IED) के रूप में मनाया जाता है।

और पढ़ें... [राष्ट्रीय एपिलिप्सी \(मरिगी\) दविस](#)

राष्ट्रीय प्रेस दविस

16 नवंबर को मनाया जाने वाला [राष्ट्रीय प्रेस दविस](#) भारत में बहुत महत्त्व रखता है क्योंकि यह [भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना](#) का प्रतीक है, जो पत्रकारिता नैतिकता और स्वतंत्रता के संरक्षक के रूप में कार्य करता है।

- अन्य वैश्विक प्रेस या मीडिया परिषदों के विपरीत [भारतीय प्रेस परिषद का अद्वितीय अधिकार राज्य के उपकरणों तक भी वसित्त हुआ है](#), जो प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है।
- वर्ष 1966 में शुरू की गई परिषद की सफारिश वर्ष 1956 में पहले प्रेस आयोग द्वारा उद्योग हतिधारकों वाले एक वैधानिक निकाय के माध्यम से पत्रकारिता में पेशेवर मानकों और नैतिकता को बनाए रखने के लिये की गई थी।

और पढ़ें... [राष्ट्रीय प्रेस दविस](#)